

जंगली पशुओं एवं आवारा पशुओं से कृषि को होने वाली क्षति का विश्लेषणात्मक अध्ययन (सतना जिले के विशेष सन्दर्भ में)

डॉ. ध्रुव कुमार द्विवेदी

प्राचार्य, सरस्वती विज्ञान महाविद्यालय, निराला नगर रीवा (म.प्र.)

इन्द्रमणि कुशावाहा

शोधार्थी, भूगोल विभाग, शास. टाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

शोध सारांश : किसान का नाम आते ही दिमाग में एक तस्वीर बनती है जैसे खेती करने वाला, फसल उगाने वाला और पशु पालने वाला एक दम हष्ट-पुष्ट इंसान यही बहुत सारी चुनौतियों से जुझता हुआ खेती करता है और अपने आप में बहुत धार्मिक और दूसरों की सहायता को तत्पर रहता है। इन्हीं चुनौतियों में एक सबसे विकराल चुनौती है आवारा पशुओं की। जिनसे उसे अपने खेतों की रखवाली भी करनी है और अपने आप को भी बचा के रखना है। कई बार ये आवारा पशु बहुत ही आक्रामक हो जाते हैं और ये किसान पर हमला भी कर देते हैं। जब कोई नौकरी करने वाला आदमी रात को भोजन करने के बाद अपने परिवार के साथ देश और दुनियां के राजनीति पर चर्चा कर रहा होता है, किसान ये किसान अपने खेत के चारों तरफ घूम-घूम कर खेत की रखवाली कर रहा होता है। और सबसे बड़ी बात कि उस किसान की ड्यूटी का समय नहीं होता और कई बार जब सर्दियों में पारा 2-3 डिग्री तक हो जाता है तब ये सुबह के 3-4 बजे तक खेत की रखवाली कर रहा होता है।

मुख्य शब्द : जंगली, पशुओं, आवारा, कृषि, क्षति, विश्लेषणात्मक, किसान, चुनौतियाँ आदि।

संदर्भ स्रोत :-

- [1]. कुमार, प्रमिला एवं श्री कमल शर्मा : कृषि भूगोल, मध्य प्रदेश ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, चतुर्थ संस्करण, 1966
- [2]. कुमार, प्रमिला (1977) म.प्र. एक भौगोलिक अध्ययन द्वितीय संस्करण।
- [3]. म.प्र. सामान्य ज्ञान, जैन एवं डॉ सोलकी, आकार प्रकाशन आगरा, पृष्ठ 20
- [4]. तिवारी, आर.सी. एवं सिंह वी.एन. कृषि भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन्स प्रयागराज, 2023 पृ. 295,304
- [5]. शर्मा, बी.एल. : कृषि भूगोल, साहित्य भवन, भवन, आगरा, 1988 पृ. 295
- [6]. डॉ. मामोरिया एवं डॉ. जोशी, पर्यावरण अध्ययन, साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा सन् 2014, पृ.सं. 310
- [7]. चतुर्भुज, डॉ. मामोरिया- भारत की आर्थिक समस्याएँ, साहित्य भवन पब्लिकेशन एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2010-11.
- [8]. अलका, गौतम : कृषि भूगोल , शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद 2009, पृ. 435
- [9]. सिंह सविन्द, पर्यावरण भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन, प्रयागराज सन् 2021 पृ. सं. 480-485
- [10]. हुसैन माजिद, "कृषि भूगोल", रावत पब्लिकेशन, नई दिल्ली 2008 पृ. 107-110